Nai Dunia (Indore), 16th July 2023, Nai Dunia City, Page – I & III

भविष्य के दिग्गजों को आइआइटी ने दी दीक्षा

शनिवार को आइआइटी इंदौर में हुआ 11वां दीक्षा समारोह

554 विद्यार्थियों ने प्राप्त की डिग्री, तीन को मिले स्वर्ण, पांच को रजत पदक

देश के दिग्गज संस्थानों में शुमार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने शनिवार को अपना 11वां दीक्षा समारोह मनाया। इसमें उन प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, जो आने वाले समय में प्रौद्योगिकी के मामले में देश का नेतृत्व करेंगे। समारोह में 554 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई, वहीं तीन को स्वर्ण पदक व पांच को रजत पदक से सम्मानित किया गया। डिग्री और पदक पाने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर आने वाले समय में देश के लिए कुछ करने का जज्बा नजर आया। सभागार में उपस्थित प्रोफेसरों और विद्यार्थियों के गरिमामय व्यवहार ने एक ऐसा माहौल तैयार किया, जिसे देख लगा कि राष्ट्रीय स्तर के इस संस्थान से देश को दिशा देने वाले विद्यार्थी निकलते हैं। विशेष यह बात रही कि इस समारोह में आइआइटी इंदौर में अब तक की सबसे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। यहां पांच कोर्स के विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की।

समारोह में कुल 554 डिग्री प्रदान की गईं, जिनमें बीटेक के 297, एमएससी के 101, एमटेक के 62, एमएस रिसर्च के 12 और पीएचडी के 82 छात्र शामिल रहे। इस अवसर पर लीबनिज विश्वविद्यालय हनोवर जर्मनी के अध्यक्ष डा. वोल्कर इपिंग मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष एक्सिलर वेंचर्स के सह-संस्थापक इंफोसिस सेनापति कृश गोपालकृष्णन रहे। इस अवसर पर शासी मंडल के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी फाटक भी मौजूद थे।

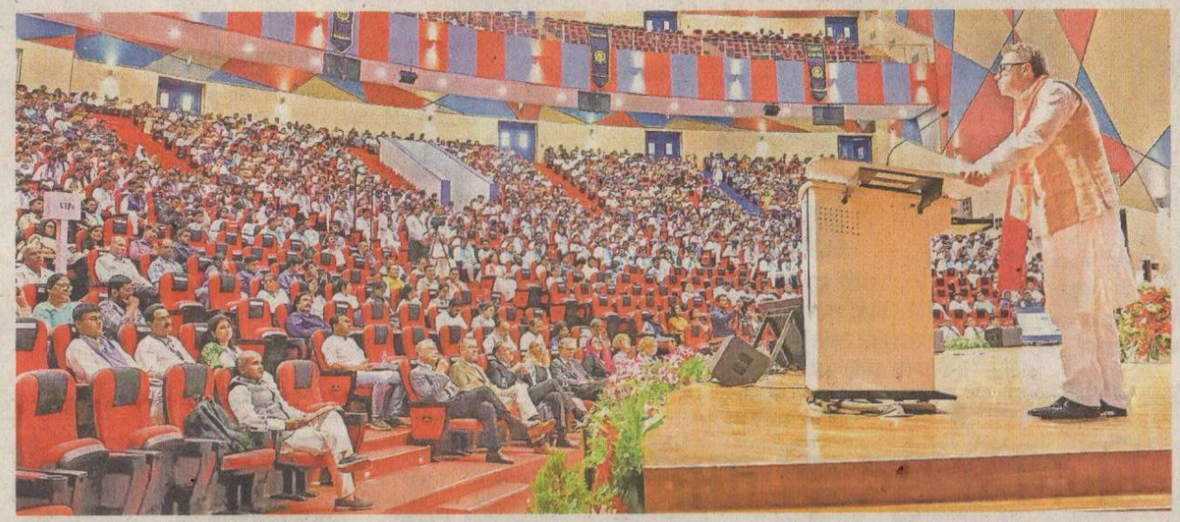

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के 11वें दीक्षा समारोह में विद्यार्थियों व विशेषज्ञों को संबोधित करते लीबनिज विश्वविद्यालय हनोवर जर्मनी के अध्यक्ष डा. वोल्कर इपिंग। • नईदुनिया

99 प्रतिशत पसीना, एक प्रतिशत प्रेरणा

आइआइटी निदेशक सुहास एस जोशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे पूरा यकीन है कि आपने अपने संस्थान से जो सीखा है, वह आपको कार्यक्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ लोगों के बीच खड़े होने में मदद करेगा। आपको बस खुद पर और अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखना होगा। इसी के जरिए आप अपने जीवन का आगे का रास्ता तय करेंगे। मैं हमेशा कहता हूं कि 99 प्रतिशत पसीना और एक प्रतिशत प्रेरणा आपको सफलता की ओर ले जाते हैं। साथ ही कड़ी मेहनत करने से कभी नहीं डरना चाहिए। जल्द ही आप सभी संस्थान के पूर्व छात्र बन जाएंगे। आपको याद रखना चाहिए कि अब आप संस्थान के ब्रांड एंबेसडर हैं और संस्थान की प्रतिष्ठा आपके हाथ में हैं। आप सभी को हमेशा अपने ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करते रहना चाहिए और इसे मानव जाति की अच्छी सेवा के लिए उपयोग में लाना चाहिए। संस्थान के दरवाजे आप सभी के लिए सदैव खुले रहेंगे। हमसे मिलते रहें और हमें बहुमूल्य प्रतिक्रिया देते रहें।

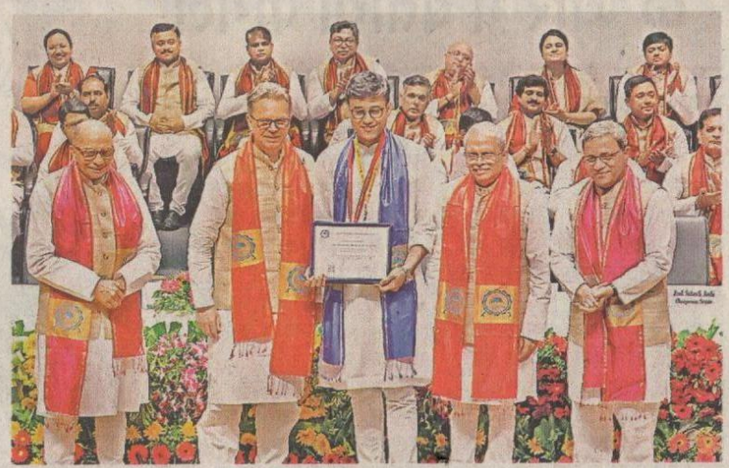

समारोह में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थी पूर्णदीप चक्रवर्ती को स्नातक डिग्री प्राप्तकर्ताओं में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन करने के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। • नईदुनिया

आइआइटी इंदौर के पास 600 से अधिक पीएचडी हैं।

आइआइएम के साथ मिलकर डेटा विज्ञान व प्रबंधन में एमएस डिग्री प्रोग्राम भी प्रदान करता है आइआइटी इंदौर

इन विद्यार्थियों को किया गया स्वर्ण पदक से सम्मानित

पीड़ित बच्ची को देखकर लिया सेवा शोध का संकल्प

जशप्रीत कौर, पीएचडी के लिए स्वर्ण पदक

मैंने जब एक छोटी बच्ची को कैंसर से पीड़ित देखा, उस वक्त मेरे साथ खड़े मेरे नानाजी ने कहा कि तुम डाक्टर बनकर इस बीमारी का उपचार क्यों नहीं करती। मैंने यह बात गांठ बांध ली और बीटेक में बायोटेक लिया। इसके बाद एमटेक के दौरान बायोटेक में शोध किया और गोल्ड मेडल जीता। फिर तय किया कि इसी क्षेत्र में आगे जाना है। 2017 में डा. अभिजीत जोशी के गाइडेंस में पीएचडी की। उसके लिए गोल्ड मेडल मिलना उपलब्धि है। बता दें कि जशप्रीत ने नैनो मेडिसिन पर रिसर्च किया है। इन दवाइयों का असर 24 घंटे रहता है और इलाज में प्रभावी भी होती हैं। अन्य दवाइयों का असर जल्द खत्म हो जाता है, जिससे मरीज को दर्द सहना पड़ता है।

कैंसर का डर मिटाना चाहती हूं

सृजिता पाल, स्वर्ण पदक विजेता

रसायनशास्त्र विभाग की सृजिता पाल को दो वर्षों के मास्टर्स प्रोग्राम में उच्चतम सीपीआइ हासिल करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के रूप में 'बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया। सृजिता ने बताया कि मेरे नानाजी का निधन कैंसर से हुआ था। उसके बाद से मेरे घर पर कैंसर को लेकर एक डर का माहौल था। इसी के चलते मैं इस फील्ड में रिसर्च कर ऐसी दवा बनाना चाहती हूं, जो इलाज में मदद कर सके। मेरे दादाजी का सपना था कि मुझे गोल्ड मेडल मिले, जो आज सच हुआ।

हर दिन नया सीखने का प्रयास

पूर्णदीप चक्रवर्ती, राष्ट्रपति स्वर्ण पदक

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थी पूर्णदीप चक्रवर्ती को सभी स्नातक डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें बचपन से कंप्यूटर साइंस में रुचि थी। हालांकि कालेज में मैंने सबसे पहले इलेक्ट्रिकल में प्रवेश लिया और पांच ब्रांचों में टाप किया। इसके बाद कम्प्यूटर साइंस ले लिया। पूर्णदीप कहते हैं- मेरी अभी सीखने की उम्र है और मैं हर दिन कुछ नया सीखना चाहता हूं। पिता पुर्नेंदु चक्रवर्ती ने कहा कि जो कुछ बेटा करना चाहता था, हमने उसमें सहयोग किया।

नए कार्यक्रम डिजाइन कर रहा आइआइटी

आयोजन में बताया गया कि आइआइटी इंदौर में कई नए कार्यक्रम डिजाइन किए जा रहे हैं। शिक्षा को समग्र बनाने के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं तथा शिक्षण और सीखने के नए तरीके भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इसके चलते वर्ष 2023-24 से अंतरिक्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग में चार नए बीटेक कार्यक्रम केमिकल इंजीनियरिंग, गणित कंप्यूटिंग और इंजीनियरिंग भौतिकी शुरू हुए हैं। एमटेक प्रोग्राम के छह स्पेशलाइजेशन का विस्तार किया जाएगा। संस्थान नौ बीटेक, 15 एमटेक प्रोग्राम व छह एमएस प्रोग्राम भी प्रस्तुत करता है।

जर्मनी से साझा प्रोफेसरशिप की शुरुआत

मुख्य अतिथि लीबनिज विश्वविद्यालय हनोवर जर्मनी के अध्यक्ष डा. वोल्कर इपिंग ने कहा कि आइआइटी इंदौर के साथ एमओयू करने के बाद हम कई प्रयोग कर रहे हैं। इसी के तहत उन्होंने कहा कि शेयर्ड प्रोफेसरशिप की शुरुआत करने की योजना है। अंडर एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत हमारे प्रोफेसर आइआइटी इंदौर में आकर पढ़ा सकते हैं और यहां के प्रोफेसर हैनवोवर में जाकर पढ़ा सकते हैं। निदेशक सुहास जोशी ने बताया कि अब संस्थान द्वारा हाइब्रिड व्हीकल टेक्नोलाजी पर काम करने का भी विचार है।

दीक्षा लेने के बाद पत्नी कोमल मूलचंदानी, पति सिद्धार्थ सुमन के साथ। सिद्धार्थ भी आइआइटी के ही पूर्व विद्यार्थी हैं।

आइआइटी इंदौर का दीक्षा समारोह

आज हम ऊपर आसमां नीचे...

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के दीक्षा समारोह में विद्यार्थियों का उत्साह देखते बन रहा था। यहां डिग्री, पदक, मेडल विजेताओं को चेहरों पर उत्साह और जज्बा साफ नजर आ रहा था। इनका उत्साह देखकर लग रहा था कि ये अब अपनी प्रतिभा से देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। हर्ष और उल्लास से भरपूर विद्यार्थियों ने इस यादगार पल को अपनी स्मृतियों के साथ-साथ कैमरों में भी कैद किया। कई विद्यार्थी ऐसे भी थे, जिन्होंने अपने माता-पिता के पांव छुए और अपनी डिग्री उनके हाथों में थमा दी। यह क्षण बहुत भावुक था, जब माता-पिता भावविभोर थे और उनके बेटे-बेटी गर्व से भरे हुए। हर विद्यार्थी प्रफुल्लित नजर आ रहा था। उनकी देहभाषा में इस बात का गर्व और दर्प झलक रहा था कि वे अपने माता-पिता के सपनों को सच करने की दिशा में पहला बड़ा कदम बढ़ा चुके हैं।

डिग्री और पदक मिलने के बाद जब सभी विद्यार्थी एक साथ एकत्रित हुए, तो इनकी खुशी मन में रोके न रुकी। सबने एक साथ मिलकर पूरे उल्लास व उत्साह से इस खुशी का उत्सव मनाया। सभी फोटो : राजू पवार

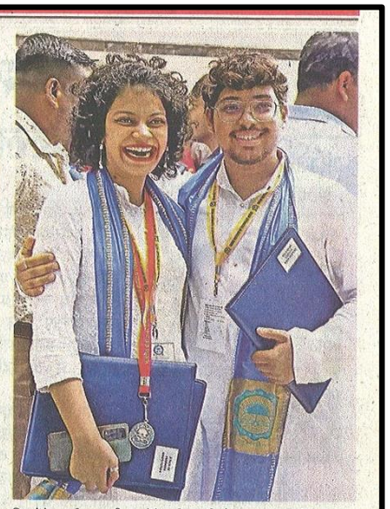

जिन्होंने पढ़ाई साथ की, उन्होंने खुशियां भी साथ-साथ मनाईं।

पदक विजेता श्रीजिता पाल व जशप्रित कौर।

दिल्ली से आकर समारोह में शामिल हुईं शिल्पा चोपड़ा व नेहा पांडे।

ईशान सचदेवा अपने पिता अशोक व मां अशीमा सचदेवा के साथ डिग्री लेने पहुंचे।

अपनी डिग्री के साथ उत्साह से लबरेज दिखे विद्यार्थी।

जर्मनी से आए मुख्य अतिथि के साथ कई मेहमान भी इंदौर पहुंचे थे।

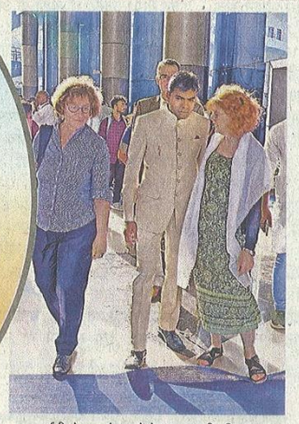

जर्मनी से आए मेहमानों ने आइआइटी परिसर का भ्रमण किया व भारतीय विद्यार्थियों से बातचीत की।

दोस्तों के साथ बांटी उपलब्धि की खुशियां।

स्वर्ण पदक विजेता जशप्रीत कौर, अपने सास-ससुर व देवर-देवरानी के साथ अपना सम्मान लेने पहुंचीं।

मधुर गुप्ता अपनी पत्नी व माता-पिता के साथ डिग्री लेने पहुंचे।

डिग्री मिलने की खुशी इतनी कि मन में न समाए। ऐसे ही खुशी के एक यादगार क्षण को जीतीं विद्यार्थी।